Title: Request to modernise all units of the RBHM Jute Mill.

श्री निखिल कुमार चौधरी (कटिहार) : अध्यक्ष महोद्य, मैं कटिहार ्संसदी्य क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता हूं। ्वहां की ्वर्ाों पुरानी आर.्बी.एच.एम. जूट मिल के ्बारे में ्सदन में अपनी ्बातें कहना चाहता हूं। आर.्बी.एच.एम. जूट मिल एन.जे.एम.्सी कलकत्ता के अधीन है, जि्सके ्साथ ्वहां ्बहुत ही ्सौतेला व्य्वहार कि्या जा रहा है। इ्स मिल की ्रूग्णाव्स्था के कारण ्यहां के मजदूरों ए्वं कि्सानों की अव्स्था दिनोंदिन द्यनी्य होती जा रही है।â€¦(व्य्वधान)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record except what Shri Nikhil Kumar Choudhary says.

*(Interruptions)**

श्री निखिल कुमार चौधरी : अ्भी तक मिल का आधुनिकीकरण पूर्णत: नहीं हुआ है। इ्स मिल का के्वल ्स्पीनिंग ए्वं डिजाइनिंग ि्व्भागों का ही आधुनिकीकरण कि्या ग्या है ए्वं ब्रेकर और फिनि्शर की मरम्मत ्भी नहीं की गई, के्वल आंशिक ्रूप ्से ही इ्से ठीक कि्या है। ्यह मिल ्बी्स ्साल ्से चल रही है, परन्तु एन.जे.एम.्सी. के अधीन जो मिलें कलकत्ता में ि्स्थत हैं, उनका पूर्णत: म्शीनीकरण ए्वं आधुनिकीकरण कर दि्या ग्या है।

महोद्य, दिन-प्रतिदिन काम में आने ्वाले कलपुर्जे, जो कि आर.्बी.एच.एम. जूट मिल के फॉन्ड्रीज ए्वं कार्य्शाला में तै्यार किए जाते थे, उनका निर्माण ्यहां के प्र्बंधकों द्वारा ्बंद कर दि्या ग्या है तथा निम्न कोटि के कलपुर्जे कलकत्ते की निजी कम्पनि्यों ्से खरीदे जा रहे हैं। इ्स कारण ्ये कलपुर्जे जल्दी ही घि्स कर टूट जाते हैं। उन्हें फिर ्से रिप्ले्समेंट के लिए मिल को लम्बे अर्से तक ्बंद रहना पड़ता है। इ्स ि्व्ा्य में मेरा आग्रह है कि आर.्बी.एच.एम. के अपने कलपुर्जे ्बनाने की कार्य्शाला को पुन: खोला जाए, जि्स्से कलपुर्जे के लिए इंतजार न करना पड़े।

---

*Not Recorded.

महोद्य, आर.्बी.एच.एम. जूट मिल के जूट ्सप्लाई में ्भी काफी अनि्यमितता ्बरती जा रही है। जे.्सी.आई. उन्नत कि्स्म के जूट की ्सप्लाई करती थी, उ्स्से खरीदना ्बंद करके निजी व्यापारि्यों ्से घटि्या कि्स्म के जूट को खरीद रहे हैं, जि्स्से उत्पादन मानक में काफी ह्ा्स हुआ है। ्वर्तमान में इ्स मिल में 1700 कामगार काम कर रहे हैं, पहले इ्स मिल में 3200 कामगार कार्यरत थे। फिलहाल आधी ्संख्या में कार्यरत मजदूर कैजुअल ले्बर हैं, जो कि 18 ्वर्ा ्से ्यहां अपनी रोजी रोटी कमाने में लगे हैं।

महोद्य, पूरे दे्श में एक केन्द्री्य ्वेतन ्सं्स्था है जि्सकी ि्सफारि्शें ्स्ब ्यूनिटों को मान्य हैं, परन्तु ऐ्सी कोई ि्सफारि्शें इ्सके ि्व्ा्य में लागू नहीं हैं। कैजुअल मजदूरों को रोजाना काम नहीं मिल रहा है। ्बहुत ्से कैजुअल मजदूरों को तो काम ्भी नहीं मिल रहा है। ज्ब तक आर.्बी.एच.एम. जूट के ्सारे ्यूनिटों का आधुनिकीकरण ए्वं म्शीनीकरण नहीं कि्या जाएगा, मजदूरों ए्वं कि्सानों की ि्स्थति दिनोंदिन ्बदतर ए्वं द्यनी्य होती रहेगी।